RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक:334
दि. 07.04.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम बोले: असम में एनडीए की हैट्रिक होगी:कांग्रेस के पास विजन नहीं

राहुल बोले- पुडुचेरी सरकार सभी कॉन्ट्रैक्ट में 30% कमीशन लेती है

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई,एजेंसी। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के प्रचार के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को असम पहुंचे हैं। उनकी आज 3 रैलियां हैं। बरपेटा में उन्होंने कहा कि असम में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की जीत की हैट्रिक लगेगी, कांग्रेस की हार की सेंचुरी होगी। बीजेपी जो कहती है करके दिखाती है। कांग्रेस के पास विकास का विजन नहीं है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी पुडुचेरी पहुंचे हैं। उन्होंने लॉस्पेट में कहा- पुडुचेरी सरकार सभी कॉन्ट्रैक्ट से 30% कमीशन लेती है। उसने मंदिर की जमीनों पर कब्जा कर लिया है। कांग्रेस सरकार यहां बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2 हजार की मदद देगा। महिलाओं को फ्री बस सर्विस मिलेगी।

पीएम बोले- असम में गरीबों के लिए 22 लाख पक्के घर बनाए : पीएम ने कहा- होजाई शीतला माता की धरती है, और मां कामाख्या का पवित्र स्थल भी यहां से ज़्यादा दूर नहीं है। मैं इन दिव्य शक्तियों को नमन करता हूं और आज यहां मौजूद बड़ी संख्या में महिलाओं को एक बार फिर नमस्कार करता हूं। इस योजना के तहत असम में गरीबों के लिए 22 लाख पक्के घर बनाए गए हैं। ये घर हमारी माताओं और बहनों के हैं। जिन लोगों को अभी तक पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें भविष्य में जरूर मिलेगा, यह मोदी की गारंटी है। डबल इंजन सरकार ने हर नागरिक को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ने का अभियान भी शुरू किया है।

मोदी बोले- भाजपा मंत्र नागरिक देवो भव है

पीएम नरेंद्र मोदी ने असम के होजई में कहा- BJP का मंत्र 'नागरिक देवो भव' है, और हम नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जैसे वे भगवान हों, जिससे उनका जीवन आसान हो। आप आज ग्लोबल संकट देख रहे हैं, पश्चिम एशिया में युद्ध से दुनिया भर में उथल-पुथल मची हुई है। यहां तक कि सबसे अमीर देश भी मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं, और विकासशील देश भी संघर्ष कर रहे हैं। हालांकि, ऐसे मुश्किल समय में भी, BJP सरकार लोगों के हित में लगातार काम कर रही है। BJP-NDA सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि ग्लोबल संकटों का बोझ गरीबों, मिडिल क्लास या किसानों पर न पड़े। यह हमेशा हमारी प्राथमिकता रही है। COVID काल के दौरान भी, जब हर जगह परेशानी थी, हमने करोड़ों परिवारों को मुफ्त राशन देने की योजना शुरू की।

पीएम बोले- हमने धान के रेट बढ़ाए, आज किसान खुश

पीएम ने कहा कि देश के जिन एक दो राज्यों में उंगली पर गिन लो, उतने से भी कम, सिर्फ एक-दो राज्यों मं कांग्रेस की सरकारें बची हैं। वहां कांग्रेस जनता के बीच कभी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर नहीं जाती। जबकि बीजेपी जनता को बताती है कि जनता की सेवा के लिए क्या किया।

उन्होंने कहा कि मैं आपको इससे जुड़े कुछ आंकड़े बताना चाहता हूं। साल 2013 में जब केंद्र में कांग्रेस सरकार थी, तब धान का एमएसपी प्रति क्विंटल 1300 रुपए था। और आज धान का एमएसपी 2370 रुपए है। यानी धान किसानों की कमाई तेजी से बढ़ रही है।

आज भी, असम में लाखों परिवार इसका फायदा उठा रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी जरूरतमंद परिवार को राशन के लिए भुगतान न करना पड़े, केंद्र सरकार मुफ्त अनाज देने पर लगभग 7 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रही है। 'साफ है कांग्रेस कभी धान किसानों का भला नहीं कर सकती। कांग्रेस की सरकार तो किसानों का पैसा भी बिचौलियों पर लुटा देती थी। हमारी सरकरा किसानों का पैसा सीधे बैंकों में जमा करती है। किसान हित में ऐसे फैसलों की वजह से ही किसानों की पहली पसंद बीजेपी और एनडीए है।

राहुल गांधी ने महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा और युवाओं को 2000 रुपये का किया वादा

पुडुचेरी। पुडुचेरी विधानसभा चुनाव अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस बीच कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी ने यहां एक जनसभा में हिस्सा लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2000 रुपये और महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा देने का वादा किया। नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के मद्देनजर प्रचार के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी 6 अप्रैल को तमिलनाडु पहुंचे। वे दिल्ली से चेन्नई आए और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए पुडुचेरी पहुंचे। पुडुचेरी के लॉस्पेट में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पुडुचेरी में महिलाओं को मुफ्त बस सेवा दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों के लिए आयु सीमा 40 वर्ष तक बढ़ाई जाएगी। हर परिवार को 20 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा और कांग्रेस की सरकार बनने के 6 महीने के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी में सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे।

एक चिता पर 2 सहेलियों का अंतिम संस्कार :एक के देहांत की सूचना मिलने के 5 घंटे बाद दूसरी ने भी दम तोड़ा

पाली,एजेंसी। दोस्ती की मिसालें तो बहुत सुनी होंगी, लेकिन पाली जिले के तखतगढ़ में जो हुआ, उसने हर किसी की आंखें नम कर दीं। यहां सालों पुरानी दो सहेलियों ने अपनी दोस्ती को मौत के बाद भी नहीं टूटने दिया। एक सहेली की मौत हुई, तो दूसरी यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी और 5 घंटे के भीतर उसने भी प्राण त्याग दिए। रविवार को एक ही चिता पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

कहा सच हुआ : पहले कोई भी जाए, दूसरी को साथ लेकर जाए :पाली से करीब 78 किमी दूर तखतगढ़ के नागचौक इलाके में जो हुआ, वह लोग सालों तक याद रखेंगे। देवासियों की गली में रहने वाली जेठी बाई (पत्नी स्व. मालाराम कलबी) और उनकी पड़ोसी भीकीबाई (पत्नी स्व. भूराराम कलबी) के बीच दशकों पुरानी दोस्ती थी। मोहल्ले वाले बताते हैं कि दोनों अक्सर हंसी-मजाक में कहती थीं- अगर हममें से कोई पहले जाए, तो दूसरी को भी अपने साथ ही लेकर जाए। नियति ने इस बात को सच कर दिखाया।

एक को आई मौत, दूसरी को लगा गहरा सदमा : 4 अप्रैल को जेठी बाई की तबीयत बिगड़ी और रात को उनका निधन हो गया।5 अप्रैल की सुबह जैसे ही सहेली की मौत की खबर भीकीबाई तक पहुंची, वे गहरे सदमे में चली गईं। सदमा इतना गहरा था कि उसी दिन सुबह करीब 8 बजे उन्होंने भी दम तोड़ दिया।दोपहर में पूरे कस्बे में खबर फैलते ही मातम छा गया। दोनों परिवारों ने मिलकर फैसला लिया कि जब ये साथ रहीं, तो विदाई भी साथ ही होगी।

मप्र के ग्वालियर के गांधी उद्यान में सफेद बाघिन मीरा ने दिए 3 शावकों को जन्म

ग्वालियर,एजेंसी। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित गांधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में रविवार को सफेद बाघिन मीरा ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इनमें दो रॉयल बंगाल और एक सफेद टाइगर शावक शामिल हैं। इस जन्म के साथ ही चिड़ियाघर में बाघों की कुल संख्या 10 हो गई है। चिड़ियाघर के प्रभारी डॉ. उपेंद्र यादव ने बताया कि रविवार दोपहर करीब दो बजे बाघिन मीरा ने तीन शावकों को जन्म दिया। सभी शावक स्वस्थ हैं और उनकी मां मीरा भी सुरक्षित है। उन्होंने पुष्टि की कि जन्मे शावकों में दो रॉयल बंगाल (पीले) और एक सफेद टाइगर है। प्रसव के बाद से मीरा और उसके शावकों की लगातार निगरानी की जा रही है।

गांधी उद्यान के क्यूरेटर गौरव परिहार ने बताया कि नवजात शावकों को सुरक्षा और स्वास्थ्य कारणों से आइसोलेशन में रखा गया है। उन्हें बाहरी संपर्क से दूर रखा जाएगा और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम नियमित रूप से उनके स्वास्थ्य की जांच कर रही है। मीरा को भी बेहतर रिकवरी के लिए हल्का और पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। तीन नए शावकों के जन्म के बाद गांधी प्राणी उद्यान में बाघों की कुल संख्या 10 हो गई है।

जयपुर में विदेशी महिला से छेड़छाड़ :जापान से आई थी घूमने, 5 लड़कों ने की गंदी हरकत, सीसीटीवी में दिखे आरोपी

जयपुर,एजेंसी। जयपुर के आमेर इलाके में जापानी महिला टूरिस्ट के साथ पांच युवकों ने छेड़छाड़ की। वह जयगढ़ किले की पहाड़ी पर घूमने गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। पहाड़ी पर अकेला पाकर घेरा, गंदी हरकतें कीं आमेर थाने के SHO गौतम डोटासरा ने बताया- जापान से राजस्थान भ्रमण पर आई महिला रविवार सुबह करीब 8 बजे जयगढ़ महल देखने पहुंची थी। वह महल के पास स्थित गणेश मंदिर की ओर जा रही थी, तभी रास्ते में सुनसान जगह देखकर 5 लड़कों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने विदेशी महिला के साथ अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ शुरू कर दी। शोर मचाया तो भाग निकले आरोपी पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाना शुरू किया और वहां से भागकर पास ही तैनात सिक्योरिटी गार्ड के पास पहुंची। विदेशी महिला को बदहवास हालत में देख गार्ड ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

भाजपा का स्थापना दिवस, मोदी बोले-भाजपा हर चुनौती को तैयार

योगी ने पार्टी के झंडे के साथ सेल्फी ली, म.प्र. में 17 नए कार्यालयों का भूमिपूजन

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भाजपा आज 2026 में अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है। स्थापना दिवस को लेकर देशभर में भाजपा कार्यालयों में कई कार्यक्रम हुए।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 'देश जानता है, हर चुनौती का सामना करने के लिए क्ष्छ्कईमानदारी से कोशिश कर रही है, आगे भी करेगी। पहले भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं और आगे भी मिलेंगे।'

उन्होंने वीडियो मैसेज में कहा, 'अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों काले कानूनों का अंत, लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य समाज के गरीबों के लिए 10%आरक्षण, कानून बनाकर तीन तलाक पर रोक, सीएए, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण।

शाह ने कहा- भाजपा का मंत्र नेशनल फर्स्ट

अमित शाह ने लिखा- भाजपा का मूल मंत्र हमेशा स्पष्ट रहा है, नेशनल फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट। इसी मूल भावना के साथ भाजपा का हर कार्यकर्ता दिन-रात राष्ट्र-सेवा में समर्पित है। भाजपा ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के साथ देश को तुष्टीकरण से मुक्त, सुशासन, पारदर्शिता को स्थापित करने का कार्य किया है। आज भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों और आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बन चुकी है।

अब तक भाजपा के 2 प्रधानमंत्री : भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। लेकिन इसकी नींव 1951 में बने भारतीय जनसंघ के दौरान पड़ी। इसकी स्थापना श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय ने की थी।

केजरीवाल के किराए के वादे पर हाईकोर्ट ने आदेश पलटा

कहा- मीडिया में दिया बयान लागू करवाने लायक नहीं; अब मौजूदा सरकार तय करे

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2021 के एक सिंगल जज के आदेश को पलट दिया है। उस आदेश में कहा गया था कि COVID-19 लॉकडाउन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गरीबों के किराए का भुगतान करने की घोषणा कानूनी तौर पर लागू करने लायक थी।

जस्टिस सी हरि शंकर और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की डिवीजन बेंच ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए बयान को कानूनी वादा नहीं माना जा सकता, जिसे अदालतें लागू करवा सकें। दरअसल, कोरोना लॉकडाउन के समय अरविंद केजरीवाल ने 29 मार्च 2020 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने मकान मालिकों से कहा कि वे गरीब और निर्धन किराएदारों से किराए न मांगें। इसके बाद 5

दिहाड़ी मजदूर कोर्ट पहुंचे, उन्होंने एक याचिका में दावा किया था कि केजरीवाल सरकार ने लॉकडाउन में किराया न दे पाने वालों का किराया भरने का वादा किया था।

जुलाई 2021 में सिंगल जज बेंच ने केजरीवाल सरकार से इसे लागू न करने का कारण पूछा। जिसके खिलाफ दिल्ली सरकार हाईकोर्ट पहुंची थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सितंबर 2021 को डिवीजन बेंच ने सिंगल-जज के आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसे आज खारिज कर दिया।

केदारनाथ हेली सेवा- 10-12 अप्रैल के बीच शुरू होगी बुकिंग,100% ऑनलाइन टिकट और नए नियम लागू

IRCTC के जरिए होगी बुकिंग

देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू कर दी जाएगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं।टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100% ऑनलाइन टिकटिंग का निर्णय लिया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (IRCTC) के पास ही रहेगा। ऑफलाइन टिकट का कोई प्रावधान नहीं होगा, जिससे यात्रियों को दलालों से बचने में मदद मिलेगी।

चरणबद्ध तरीके से होगी बुकिंग : यात्रियों की भारी भीड़ और हिमालयी क्षेत्र के अनिश्चित मौसम को देखते हुए बुकिंग को स्लॉट में बांटा गया है। शुरुआत में 20-20 दिनों के स्लॉट के लिए टिकट खोले जाएंगे। मौसम और यात्रियों के दबाव का आकलन करने के बाद ही अगले चरणों की बुकिंग शुरू की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट: पिछड़े वर्ग से होने के कारण नियमों में छूट नहीं

- **अदालत ने कहा- सरकारी नौकरी में दान-दया असंभव**

नई दिल्ली ,एजेंसी। सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में नियम और अनुशासन ही सर्वोपरि हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में दो टूक कहा है कि महज पिछड़े समुदाय से संबंध रखने के आधार पर किसी उम्मीदवार का पलड़ा भारी नहीं हो सकता। शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार में चैरिटी (दान) या सहानुभूति के लिए कोई जगह नहीं है। सामाजिक पृष्ठभूमि की आड़ में नियमों को तोड़ना या ढील देना अन्य योग्य उम्मीदवारों के साथ घोर अन्याय है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने यह व्यवस्था देते हुए स्पष्ट किया कि ऐसी कड़े मुकाबले वाली भर्ती प्रक्रिया में लापरवाही के लिए कोई स्थान नहीं है। पीठ ने कहा कि यदि भर्ती के नियमों में साफ तौर पर लिखा है कि किसी भी चरण के लिए कोई दूसरा अवसर नहीं मिलेगा तो यह नियम हर उम्मीदवार पर समान रूप से लागू होना चाहिए, चाहे उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी क्यों न हो। यह पूरा विवाद दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल भर्ती से जुड़ा है। भर्ती प्रक्रिया में शामिल उत्तम कुमार नामक एक अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता एवं माप परीक्षण की तय तारीख पर गैर-हाजिर रहा था।

लापरवाह रवैया और उत्साह की कमी :

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी तल्ख टिप्पणी में कहा कि भर्ती प्रक्रिया में समय का पाबंद होना अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई उम्मीदवार तय समय पर परीक्षण के लिए उपस्थित नहीं होता है, तो उसे बाद में मौका देना अन्य प्रतिस्पर्धियों के अधिकारों का हनन है।अदालत ने माना कि बिना उपस्थित हुए बाद में दूसरे मौके की मांग करना यह दर्शाता है कि अभ्यर्थी में नौकरी के प्रति जरूरी उत्साह और पहल की भारी कमी है, जो बल (पुलिस) की नौकरी के लिए बिल्कुल उपयुक्त नहीं है।

सिक्किम में बर्फबारी-भूस्खलन, 1500 टूरिस्ट फंसे

16 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट; यूपी में बिजली गिरने से 3 दिन में 15 की मौत

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून,एजेंसी। सिक्किम के मंगन जिले में रविवार को लाचेन-चुंगथांग रोड पर तेज बारिश और बर्फबारी हुई। इसके कारण लैंडस्लाइड भी हुआ और सड़क में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। यहां 1500 टूरिस्ट फंसे हैं। यहां आज सुबह से ही पर्यटकों का रेस्क्यू जारी है।

इधर, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से उत्तर भारत के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में यमुनोत्री धाम समेत 3 जिलों में रविवार को बर्फबारी हुई। वहीं 6 जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति के ऊंचे इलाकों में भी बर्फबारी हुई। गोंदला में 28.5 सेंटीमीटर, केलांग में 20.0 सेमी, हंसा में 5 सेमी बर्फ गिरी। जबकि शिमला, कुल्लू और मंडी में ओले गिरने से सेब की फसल को नुकसान हुआ।

यूपी में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 72 घंटे में 15 लोगों की मौत हुई है। काशी, गोंडा, सुल्तानपुर और कानपुर समेत 11 जिलों में रविवार को रुक-रुककर बारिश हुई। कानपुर, मथुरा, संभल में ओले गिरे।

राजस्थान में आज से नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा। 14 जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश का अलर्ट है। दिल्ली-ह्ष्ट्रक्र और हरियाणा के कुछ हिस्सों में बारिश के साथ ओले गिरने की संभावना है।

जरूरतों तक विकास

संपादकीय

विकास महज योजना नहीं, सतत प्रयास की निरंतरता है। योजनाएं तो हिमाचल में बनती और बिगड़ती हैं, लेकिन विकास के बही खाते सच्चे और सार्थक तभी होते, जब उद्देश्यों के गुणात्मक फलक पर संभावनाएं संबोधित हों। ऐसे में हिमाचल सरकार के तीन साल बनाम आने वाले चुनाव के दो साल के बीच अब बहस के मसौदे बदल रहे हैं। हिमकेयर योजना पर सदन की बहस में इससे क्या फर्क पड़ेगा कि घोटाला कितने करोड़ का है, लेकिन इसकी निरंतरता में आई गिरावट का जिक्र जरूर होगा। कुछ इसी तरह आखिरी सालों में आ रही परिवहन निगम की नई बसों से यातायात में क्या अंतर आएगा, इसके बजाय जिक्र यह कि सदन में मुद्दे ने अपनी आवश्यकता बताई। हिमाचल अपने विकास के मामले में कहीं आवश्यकता से अधिक, तो कहीं निरंतरता में कमजोर रहा है। नए स्कूलों की परिधि में विकास की आवश्यकता को पहचाना ही नहीं गया, नतीजतन स्कूलों को डिनोटिफाई करने का सिलसिला जारी है। बीस मार्च की अधिसूचना के अनुसार राज्य में शून्य छात्र संख्या के 36 सरकारी स्कूल डिनोटिफाई हो गए। कुछ यही हाल कालेज, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने से भी हुआ। सरकार एड़ी चोटी का प्रयास करते हुए मेडिकल कालेजों में सुविधाएं बढ़ा रही है, लेकिन चिकित्सा का मूल आधार डिस्पेंसरी से शुरू होता है। यही आवश्यकता निजी क्षेत्र की उपलब्धि बन जाती है। हिमाचली मरीज के समीप मेडिकल कालेज हमेशा खड़ा नहीं होगा, बल्कि चिकित्सकीय निकटता के लिए अब डिस्पेंसरी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में तत्परता चाहिए। निजी अस्पताल अपनी कोशिश को इतना भरोसेमंद बना देते हैं कि मरीज इस एहसास को अंगीकार कर लेता है। विकास में समय और समय सीमा में विकास के अर्थ को हिमाचल में समझने की जरूरत है। उदाहरण के लिए हिमाचल में पर्यटक सीजन शुरू है, तो इस समय को रेखांकित करने की तत्परता कहां है। सदन में बहस के दौरान हर विधायक किसी न किसी तरह के विकास, योजनाओं या परियोजनाओं पर केंद्रित रहा, लेकिन किसने पर्यटन के रथ पर बैठ कर विकास की योजनाओं को इंगित किया। हमारा दस्तूर अब विकास की खिचड़ी है, चाहे इसमें वास्तविक सामग्री हो या न हो। एक सरकार भवन बनाती रही, तो दूसरी के आने के बाद मालूम हुआ कि इनमें से हजार बेकार हैं, लेकिन जहां आवश्यकता है वहां बनाती नहीं। धर्मशाला में एक दशक से बस स्टैंड का निर्माण प्रयासरत है, लेकिन बनता नहीं। यहां उस सतत प्रयास की तारीफ करें कि फिर भी एक स्वर्गीय नेता के नाम पूरा परिसर हो जाता है। इसी धर्मशाला में प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन के प्रस्ताव में दस करोड़ के करीब खर्च हो जाते, लेकिन आज तक एक भी फूल खिला नहीं।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है। भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके।

माता-पिता बुजुर्गों की देखभाल न करने पर सरकार का त्वरित डंडा चलेगा

वेतन से 15 प्रतिशत कटौती कर सीधे माता- पिता बुजुर्गों के अकाउंट में डीबीटी -तेलंगाना राज्य का हस्तक्षेप : बुजुर्गों की सुरक्षा की नई दिशा पिता की देखभाल न करने पर वेतन से 15 प्रतिशत त्वरित कटौती : सामाजिक न्याय,नैतिक जिम्मेदारी और कानून के बीच संतुलन काबिल-ए-तारीफ़ कर्मचारी जवाबदेही एवं माता- पिता सहायता निगरानी विधेयक, 2026 न केवल एक कानूनी कदम,बल्कि यह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला ऐतिहासिक हस्तक्षेप जिसका संज्ञान सभी राज्यों ने लेना जरूरी वैश्विक स्तरपर आज का समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।तकनीकी उन्नति, वैश्वीकरण और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है,वहीं पारिवारिक संरचनाओं और संबंधों के स्वरूप को भी गहराई से प्रभावित किया है।कभी संयुक्त परिवारों में पनपने वाली भावनात्मक सुरक्षा और सामूहिक जिम्मेदारी अब तेजी से एकल परिवारों में सिमटती जा रही है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इस परिवर्तन के बीच सबसे अधिक प्रभावित वर्ग है,बुजुर्ग माता-पिता। जीवन के उस चरण में,जब उन्हें सबसे अधिक सहारे,सम्मान और देखभाल की आवश्यकता होती है, वे अक्सर उपेक्षा,अकेलेपन और आर्थिक असुरक्षा का सामना करते हैं।ऐसे समय में तेलंगाना राज्य द्वारा पारित कर्मचारी जवाबदेही एवं माता- पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 न केवल एक कानूनी कदम है, बल्कि यह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला ऐतिहासिक हस्तक्षेप भी है।इस विधेयक का मूल संदेश स्पष्ट और कठोर है यदि कोई संतान अपने माता-पिता की देखभाल से मुंह मोड़ती है, तो राज्य उसके निजी दायित्व को लागू करने के लिए सटीक रूप से हस्तक्षेप करेगा।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं ने गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह विचार अपने आप में क्रांतिकारी है,क्योंकिपारिवारिक संबंधों को अब तक निजी और नैतिक क्षेत्र माना जाता रहा है, जहां कानून की भूमिका सीमित थी। परंतु जब नैतिकता विफल हो जाती है, तब कानून का हस्तक्षेप अनिवार्य हो जाता है। यह विधेयक इसी सिद्धांत पर आधारित है कि बुजुर्गों की उपेक्षा केवल व्यक्तिगत असफलता नहीं, बल्कि एक सामाजिक अपराध है, जिसका समाधान केवल सामाजिक उपदेशों से नहीं, बल्कि कठोर कानूनी प्रावधानों से ही संभव है। एक अधिवक्ता व लेखक के रूप में मैं यह सुझाव देना चाहूंगा के कि इस विधेयक को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, वेतन कटौती की सीमा को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत और अधिकतम राशि को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किया जा सकता है,ताकि यह अधिक प्रभावी और निवारक बन सके।

साथियों बात अगर हम अब क्या ऐसा कानून सभी राज्यों में लागू किया जाना चाहिए? इसको समझने की करें तो इस प्रश्न का उत्तर सीधा सख्ती से हां में है, क्योंकि इसके कई सामाजिक, आर्थिक और कानूनी पहलू हैं। एक ओर यह कानून वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा करने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है। यह उन संतान को जिम्मेदारी का एहसास कराएगा जो आर्थिक रूप से सक्षम होते हुए भी अपने माता-पिता की उपेक्षा करते हैं। इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा कि माता-पिता की सेवा केवल एक विकल्प नहीं बल्कि एक अनिवार्य कर्तव्य है इसके अलावा, इस कानून को पूरे देश में लागू करने के लिए केंद्र सरकार को पहल करनी चाहिए। यदि सभी राज्य इस मॉडल को अपनाते हैं, तो यह बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ढांचा तैयार कर सकता है।हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि अभी तक भारत के किसी भी राज्य या केंद्र सरकार द्वारा ऐसा कोई व्यापक कानून लागू नहीं किया गया है,जिसमें सीधे वेतन से 15प्रतिशत कटौती का प्रावधान अनिवार्य रूप से लागू हो। कुछ मामलों में न्यायालयों ने व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर वेतन से भरण- पोषण राशि काटने के आदेश दिए हैं, लेकिन यह एक सामान्य कानून नहीं बल्कि केस-टू-केस आधार पर लिया गया निर्णय होता है।

साथियों बात अगर हम बुजुर्गों के व्यथा को समझने की करें तो बुढ़ापा जीवन का एकअपरिहार्य सत्य है। यह वह अवस्था है, जहां शारीरिक और मानसिक क्षमताएं धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। बीमारियां बढ़ती हैं,आय के स्रोत समाप्त हो जाते हैं और व्यक्ति पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाता है।भारतीय संदर्भ में यह निर्भरता मुख्यतः संतान पर होती है,क्योंकि अधिकांश लोगअपनी जीवन भर की कमाई अपने बच्चों की शिक्षा, विवाह और भविष्य निर्माण में खर्च कर देते हैं। सरकारी कर्मचारियों को पेंशन का सहारा मिल सकता है, लेकिन निजी क्षेत्र के बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे में यदि संतान भी उनका साथ छोड़ दे, तो यह स्थिति उनके लिए अत्यंत कष्टदायक और अमानवीय बन जाती है। साथियों बात कर हम तेलंगाना विधानसभा द्वारा 29 मार्च 2026 क़ो पारित विधेयक को समझने की करें तो यह विधेयक इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। इसके तहत यदि कोई कर्मचारी चाहे वह सरकारी हो या निजी अपने माता-पिता की देखभाल में लापरवाही करता है, तो उसके वेतन से 15 प्रतिशत या अधिकतम 10,000 रुपये प्रति माह की कटौती की जाएगी और यह राशि सीधे माता-पिता के बैंक खाते में जमा कराई जाएगी। यह प्रावधान न केवल आर्थिक सहायता सुनिश्चित करता है,बल्कि यह एक सशक्त संदेश भी देता है कि संतान अपने दायित्व से बच नहीं सकती।यह कानून जनप्रतिनिधियों जैसे विधायक, सरपंच पर भी लागू होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जवाबदेही सभी के लिए समान है।इस विधेयक की एक विशेषता इसकी स्पष्ट और समयबद्ध प्रक्रिया है। यदि माता-पिता को लगता है कि उनके साथ उपेक्षा हो रही है, तो वे जिला कलेक्टर के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कलेक्टर को 60 दिनों के भीतर मामले की जांच कर निर्णय देना अनिवार्य है। यदि शिकायत सही पाई जाती है, तो वेतन कटौती का आदेश जारी किया जाता है। यदि आवेदन खारिज हो जाता है, तो वरिष्ठ नागरिक आयोग के पास अपील का प्रावधान है। यह प्रक्रिया पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करती है,जो अक्सर अन्य कानूनों में देखने को नहीं मिलती।

साथियों बात अगर हम विधेयक में एक और महत्वपूर्ण प्रावधान को समझने की करें तो वह है, वरिष्ठ नागरिक आयोग की स्थापना। यह आयोग एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश की अध्यक्षता में कार्य करेगा और अपीलीय निकाय के रूप में कार्य करेगा। इसके पास गवाहों को बुलाने, जांच करने और निर्णय देने कीशक्तियां होंगी। यह व्यवस्था न केवल शिकायतों के त्वरित निपटान को सुनिश्चित करती है, बल्कि यह बुजुर्गों को न्याय प्राप्त करने का एक सशक्त मंच भी प्रदान करती है। यह कानून केवल दंडात्मक नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सामाजिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करना भी है। भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है 'मातृ देवो भव, पितृ देवो भव' का आदर्श हमारे संस्कारों में गहराई से निहित है। श्रवण कुमार की कथा इसका प्रतीक है, जहां पुत्र अपने माता-पिता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है। परंतु आधुनिक जीवन की आपाधापी में ये मूल्य कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। ऐसे में यह कानून एक चेतावनी भी है और एक मार्गदर्शन भी कि यदि समाज अपने मूल्यों को भूल जाएगा, तो राज्य को हस्तक्षेप करना पड़ेगा।

साथियों बात अगर हम भारत में पहले से ही माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण- पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 लागू है इसको समझने की करें तो। इसकी सबसे बड़ी कमजोरी इसका धीमा क्रियान्वयन है।कई बार शिकायतों के निपटान में इतनी देरी हो जाती है कि बुजुर्गों को न्याय मिलने से पहले ही उनकी स्थिति और खराब हो जाती है। तेलंगाना का यह नया विधेयक इस कमी को दूर करता है, क्योंकि इसमें समयबद्ध प्रक्रिया और सख्त प्रावधान शामिल हैं। यह न केवल पुराने कानून को मजबूत करता है, बल्कि उससे आगे जाकर एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत करता है।यह भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून को केवल दंडात्मक उपाय के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक सुधार के उपकरण के रूप में समझा जाए। सरकार को इसके साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चलाने चाहिए,ताकि लोग अपनेकर्तव्यों को समझें और स्वेच्छा से उनका पालन करें। शिक्षा प्रणाली में भी ऐसे मूल्यों को शामिल किया जाना चाहिए, जो बच्चों को अपने माता-पिता के प्रति जिम्मेदार बनाएं। साथियों बात अगर हम इस संपूर्ण प्रावधानों बातों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो कई देशों में बुजुर्गों की देखभाल के लिए कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। चीन में फिलियल रिस्पॉन्सिबिलिटी लॉ है, जो बच्चों को अपने माता-पिता से मिलने और उनकी देखभाल करने के लिए बाध्य करता है। सिंगापुर में मेंटेनेंस ऑफ पेरेंट्स एक्ट है, जिसके तहत माता-पिता अपने बच्चों से आर्थिक सहायता की मांग कर सकते हैं। अमेरिका और यूरोप के कई देशों में भी ऐसे कानून हैं, हालांकि उनका स्वरूप और कठोरता अलग-अलग है। इस दृष्टि से तेलंगाना का यह विधेयक वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप है, लेकिन इसकी कठोरता और स्पष्टता इसे विशेष बनाती है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि यह कहना गलत नहीं होगा कि तेलंगाना का यह विधेयक एक नए सामाजिक अनुबंध की शुरुआत है, जहां राज्य, समाज और व्यक्ति के बीच जिम्मेदारियों का पुनर्संतुलन किया जा रहा है। यह कानून हमें यह याद दिलाता है किविकास केवल आर्थिक प्रगति का नाम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के संरक्षण से भी जुड़ा है। यदि हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं, तो हम न केवल अपने अतीत से मुंह मोड़ते हैं, बल्कि अपने भविष्य को भी असुरक्षित बनाते हैं। इसलिए, समय की मांग है कि हम इस पहल को गंभीरता से लें और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दें। प्रत्येक राज्य, प्रत्येक नागरिक और प्रत्येक परिवार को यह समझना होगा कि बुजुर्गों की देखभाल केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी है। यदि समाज इस जिम्मेदारी को निभाने में विफल रहता है, तो कानून का डंडा चलना ही चाहिए क्योंकि अंततः एक सभ्य समाज की पहचान इसी से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और निर्भर सदस्यों के साथ कैसा व्यवहार करता है।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी?

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है।

सौरभ वार्ष्णेय

कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है।

समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा' के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था

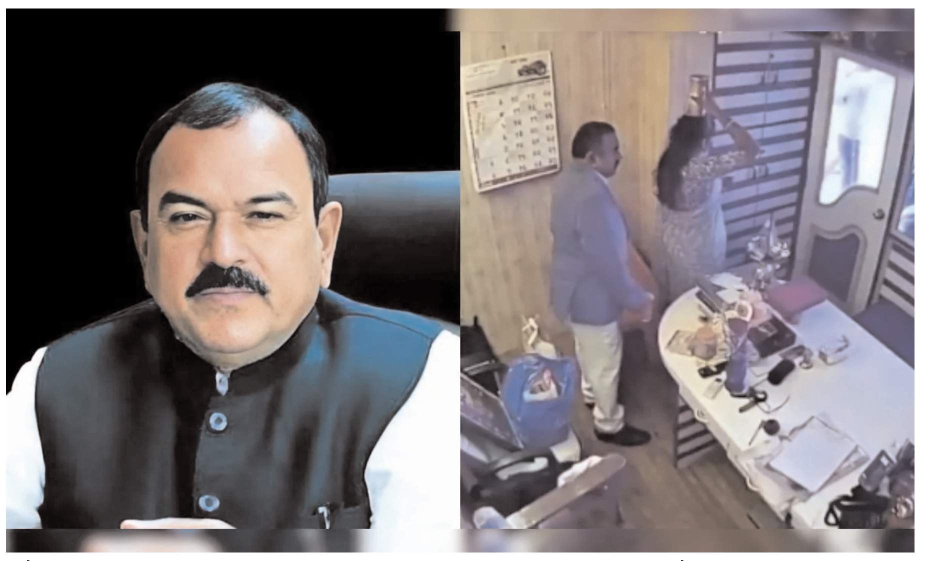

और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं–राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता–को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है। यह जरूरी है कि समाज–विशेषकर प्रभावशाली वर्ग–तर्क, वैज्ञानिक सोच और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। किसी भी व्यक्ति को बिना प्रमाण और जवाबदेही के चमत्कारी मान लेना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी नुकसानदायक हो सकता है।

अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का नाम हाल के वर्षों में उनकी अकूत संपत्ति और गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। नासिक से शुरू हुआ यह मामला केवल एक तथाकथित धार्मिक गुरु' की कहानी नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर खड़े किए गए एक विशाल और संदिग्ध साम्राज्य का खुलासा है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, अशोक खरात ने खुद को ज्योतिषी, तांत्रिक और चमत्कारी शक्तियों वाला व्यक्ति बताकर लोगों, खासकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसी विश्वास का दुरुपयोग कर उन्होंने न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों को भी अंजाम दिया।सबसे चौंकाने वाला पहलू उनकी संपत्ति को लेकर सामने आया है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति होने का अनुमान है–कुछ जगहों पर यह आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 500 करोड़ और यहां तक कि 1500 करोड़ रुपये तक बताया गया है। यह संपत्ति न केवल उनके नाम पर, बल्कि पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी पाई गई, जिससे बेनामी निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका मजबूत होती है।जांच में यह भी सामने आया कि इस तथाकथित आध्यात्मिक साम्राज्य के पीछे एक संगठित तंत्र काम कर रहा था–जिसमें कोड लैंग्वेज, गुप्त कैमरे और ब्लैकमेलिंग के नेटवर्क शामिल थे।इसके अलावा, उनके पास से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जो इस पूरे नेटवर्क की गहराई को दर्शाते हैं।

यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके तार राजनीति और प्रशासन तक भी जुड़ते दिखाई दिए हैं, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। अशोक खरात का मामला केवल एक व्यक्ति की अकूत संपत्ति का नहीं, बल्कि उस तंत्र का प्रतीक है जिसमें अंधविश्वास, लालच और सत्ता का गठजोड़ समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

25 साल पुराना प्यार और भाई का कत्ल: संबंध का विरोध करता अंकित, बहन ने मारने को कहा अत्यधिक विषैले जहर से मारा

मेरठ, एजेंसी। दौराला में बहन अलका ने प्रेमी पवन और सुनार अशोक वर्मा संग मिलकर भाई अंकित को संपत्ति के लालच में पोटेशियम साइनाइड से मार डाला। दो अन्य लोगों की भी मौत हो गई।

मेरठ के दौराला में शराब में जहर मिलाने से तीन लोगों की हुई मौत के मामले में नए-नए खुलासे हो रहे हैं। एसएसपी के मुताबिक, अलका का गांव के ही पवन से 25 साल पुराना प्रेम संबंध रहा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पवन व अलका को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पवन ने बताया कि अलका से उसके संबंध का अंकित विरोध करता था। शराब पीकर उससे गाली गलौज कर मारपीट करता था। अलका ने अंकित को रास्ते से हटाने के लिए पवन से कहा था। इस पर दोनों ने अंकित को खाने में जहर देकर मारने की साजिश रची। पवन ने अपने सुनार दोस्त दौराला निवासी अशोक वर्मा से बात की। उसने सोने को चमकाने में काम आने वाले पोटेशियम साइनाइड की गोली पांच सौ रुपये में उसे दे दी।

दौराला में तीन लोगों की मौत बंटी जीरा मसाला देसी शराब के टेट्रा पैक पीने से नहीं, बल्कि शराब में पोटेशियम साइनाइड मिलाकर उनको मार डाला गया। एसएसपी अविनाश पांडेय ने रविवार को इस घटना का सनसनीखेज खुलासा किया। भाई अंकित की करोड़ों की संपत्ति के लालच में बहन अलका ने अपने प्रेमी मनोहर की पट्टी निवासी पवन के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया। इस मामले में पुलिस ने पवन, अलका व उसके सुनार दोस्त मोहनपुरी दौराला निवासी अशोक वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस लाइन में एसएसपी अविनाश पांडेय ने बताया कि तीन अप्रैल की शाम दौराला निवासी अंकित, बाबूराम व जितेंद्र को बंटी जीरा मसाला देसी शराब के टेट्रा पैक पीने से हालत बिगड़ने पर आर्यावर्त हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। तीनों के परिजनों ने मिलावटी और जहरीली शराब होने का आरोप लगाया था। पुलिस ने शराब की दुकान समेत कई स्तरों पर इसकी जांच की। परीक्षण में दुकान पर मिले व बेचे अन्य टेट्रा पैक सही मिले। एसएसपी ने बताया कि जिस बंटी जीरा शराब पीने से मौत हुई, उसका एक टेट्रा पैक लेकर आबकारी विभाग ने प्रयोगशाला में जांच कराई, जिसमें शराब सही पाई गई। इससे स्पष्ट हो गया कि शराब में मिलावट नहीं थी। इसके बाद शक होने पर पुलिस ने सर्विलांस, घटनास्थल व अंकित के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक किए। इसमें दूसरी कहानी सामने आई।

टेट्रा पैक में पीसकर मिलाई गई गोली

एसएसपी ने बताया कि पवन ने 30 मार्च की शाम अलका को खाने में यह गोली अंकित को खिलाने को दी, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाई। उसने अगले दिन गोली पवन को वापस कर दी। पवन ने दो अप्रैल की शाम को दोस्त कल्लू से सौ रुपये में शराब का टेट्रा पैक मंगाया और छेद कर गोली टेट्रा पैक में पीस कर मिला दी। तीन अप्रैल को रविदत्त से फेविक्विक खरीदकर टेट्रा पैक को चिपका दिया।

शाम को अलका ने बताया कि अंकित तेल लेने पेराई मिल पर जाएगा। वह रजवाहा पुलिया पर बैठ गया। साइकिल से जा रहे अंकित ने पवन से बातचीत की तो उसने उसे पीने को जहरीला देसी शराब का पैक दे दिया। अंकित ने स्पेलर पर जाकर बाबूराम व जितेंद्र के साथ शराब पी और उसमें उनकी मौत हो गई।

उसने बताया कि बाबूराम व जितेंद्र की मौत अंकित के साथ शराब पीने से बेवजह हो गई। पुलिस ने पवन, अलका व सुनार अशोक वर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान पवन ने पुलिस के सामने बाबूराम व जितेंद्र के मरने का अफसोस होने की बात कही।

संपत्ति कब्जाने के लिए रची थी हत्या की साजिश

अंकित की करीब आठ करोड़ से अधिक की संपत्ति है। ऐसे में बहन और उसके प्रेमी की संपत्ति पर भी नीयत खराब थी। यूं तो पवन शादीशुदा है, लेकिन उसका लगातार अलका के घर पर आना-जाना था। संपत्ति हड़पने के लिए अंकित को रास्ते से हटाने की काफी दिनों से साजिश रची जा रही थी। एसएसपी ने बताया कि संपत्ति कब्जाने की जानकारी भी मिली है, इस बिंदु पर भी पुलिस की पड़ताल चल रही है। जल्द ही आरोपियों को रिमांड पर लेकर और जानकारी जुटाई जाएगी।

पवन के खिलाफ दौराला थाने में पहले दर्ज है जानलेवा हमले का मुकदमा

पवन के खिलाफ दौराला थाने में वर्ष 2020 में जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज हुआ था। कार निकालने के विवाद में इसने कुछ लोगों के ऊपर गोली चला दी थी। इसमें उसको गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

मासूम बच्चे को पीठ पर बांधकर पानी की टंकी पर चढ़ गया नशेड़ी

सीतापुर, एजेंसी। यूपी के सीतापुर में कांशीराम कॉलोनी में रविवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक शराब के नशे में अपने मासूम बेटे को पीठ पर बांधकर पानी की टंकी पर चढ़ गया। घटना से कॉलोनीवासियों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिसावां थाना क्षेत्र के गुरसंडा गांव निवासी विपिन कांशीराम कॉलोनी के ब्लॉक नंबर 45 में रहता है। बताया गया कि पत्नी लल्ली देवी से विवाद के बाद वह नशे की हालत में अपने छह वर्षीय बेटे को पीठ पर बांधकर कॉलोनी में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गया। युवक को टंकी पर चढ़ा देख लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना के दौरान कुछ देर के लिए इलाके में दहशत का माहौल बना रहा। हालांकि समय रहते पुलिस की सक्रियता से बड़ा हादसा टल गया।

जिसे बंद करने का किया दावा, वह अस्पताल अब भी बिना लाइसेंस हो रहा संचालित

लखनऊ , एजेंसी। डेंगू बताकर बच्चे का इलाज और वसूली करने वाले माल क्षेत्र के जिस अस्पताल के संचालन पर अधिकारियों ने रोक लगाने का दावा किया था, उसका संचालन अब भी हो रहा है, जबकि अस्पताल के पास लाइसेंस तक नहीं था। शनिवार को अस्पताल के कर्मचारियों से हुई बातचीत में इसका खुलासा हुआ। पीरनगर निवासी अजीत के ढाई वर्षीय बेटे अविश की तबीयत बिगड़ने पर 12 मार्च को इटौंजा रोड स्थित मां अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डेंगू और प्लेटलेट्स 33 हजार बताकर परिजनों से वसूली की गई। रुपये खत्म होने पर बच्चे को सीएचसी भेज दिया गया। वहां डेंगू की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। सीएचसी अधीक्षक डॉ. जेपी सिंह ने बताया कि अस्पताल का पंजीकरण न होने पर उसके संचालन पर रोक लगा दी गई थी। अस्पताल संचालक ने स्वयं भी अस्पताल बंद करने की बात लिखित में दी थी। इसके बाद भी अस्पताल का संचालन हो रहा है तो मौके पर जाकर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध मिले अस्पतालों को किया वैध : नर्सिंग होम के नोडल डॉ. एपी सिंह ने फरवरी में जिले के 10 अस्पतालों पर छापा मारा था। इसमें दो अस्पताल अवैध मिले थे। दोनों अस्पतालों पर जुर्माना लगाकर एक माह के भीतर ही दोनों अस्पताल का पंजीकरण करके वैध कर दिया गया, जबकि इनका निरीक्षण तक नहीं हुआ।

अब रेल मार्ग से जुड़ेगा वाराणसी एयरपोर्ट, जाम से मिलेगी निजात; यात्रियों को मिलेगी सुविधा

वाराणसी, एजेंसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी बढ़ाई जाएगी। आने वाले समय में कैंट स्टेशन से एयरपोर्ट तक लोकल ट्रेन चलाई जाएगी। इससे यात्रियों को सुविधा मिलेगी। इसके लिए एयरपोर्ट निदेशक ने रेलवे मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा है। बाबतपुर एयरपोर्ट से प्रतिदिन लगभग 90 विमानों का संचालन होता है। इससे प्रतिदिन करीब 12 हजार यात्रियों का आवागमन होता है। विमानों की संख्या बढ़ने के कारण यहां यात्रियों की संख्या में दिन-प्रतिदिन इजाफा हो रहा है। आने वाले समय में यह संख्या दो से तीन गुना बढ़ेगी, जिसे ध्यान में रखते हुए इसकी क्षमता बढ़ाई जा रही है। वर्तमान में विस्तारीकरण किया जा रहा है। इसके तहत मल्टी लेवल पार्किंग, आठ एयरोब्रिज के साथ पांच हजार यात्री क्षमता वाला नया टर्मिनल भवन, रनवे के नीचे अत्याधुनिक सुविधा और सुरक्षा युक्त टनल निर्माण शामिल है। इससे यहां घरेलू और अंतरराष्ट्रीय विमानों की संख्या बढ़ जाएगी। अभी एयरपोर्ट पहुंचने के लिए सिर्फ सड़क मार्ग का प्रयोग होता है। ऑटो, ई-रिक्शा, बस आदि वाहनों से लोग आते-जाते हैं। सड़क पर जाम के कारण कई बार समय अधिक लगता है, जिससे विमान छूट जाते हैं। इसे देखते हुए एयरपोर्ट को रेल मार्ग से जोड़ने की योजना पर काम हो रहा है। उम्मीद है कि कुछ दिनों में यह परियोजना धरातल पर दिखाई देगी।

बीएचयू में 2 घंटे तक साइकिल चलाकर दी ग्रीन यात्रा करने की सीख

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू में संडे ऑन साइकिल प्रोग्राम के तहत ग्रीन यात्रा करने की सीख दी गई। बीएचयू स्थित वीटी से सुबह आठ बजे शुरू हुई साइकिल यात्रा पूरे परिसर में दो घंटे तक चली। क्लाइमेट एजेंडा की ओर से हुए इस कार्यक्रम में बीएचयू के साथ काशी विद्यापीठ और वसंत कन्या महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं भी शामिल रहे। युवाओं ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में साइकिल एक सबसे सुलभ, शून्य-उत्सर्जन परिवहन विकल्प है। क्लाइमेट एजेंडा की प्रोग्राम डायरेक्टर एकता शेखर ने कहा कि साइकिल का आविष्कार कभी आवाजाही के संकट को हल करने के लिए हुआ था। आज जलवायु संकट का खतरा मंडरा रहा है। अगर हम साइकिल को अपना फैशन स्टेटमेंट बनाने में सफल हो पाए, तो हम शहरी उत्सर्जन को भी नियंत्रित कर सकते हैं।

नर्सिंग कॉलेजों का निरीक्षण करने वाली टीम को लगाना होगा बॉडी कैमरा, धांधली रोकने की नई रणनीति

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में नर्सिंग कॉलेजों का निरीक्षण करने वाली टीम को बॉडी कैमरा लगाना होगा। कॉलेजों की मान्यता में धांधली रोकने की नई रणनीति तैयार की गई है। साथ ही क्षेत्र मापने और सिविल संबंधी कार्य के लिए एजेंसी बनेगी।

प्रदेश में हर साल करीब 250 निजी नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। जो कॉलेज पहले से खुले हैं, उनमें सीटें बढ़ाने के लिए भी निरंतर आवेदन आ रहे हैं। इस वर्ष नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के डिप्लोमा एवं डिग्री कोर्स के लिए आनलाइन आवेदन लिए जा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी में करीब ढाई हजार से अधिक आवेदन जमा हुए हैं। आवेदन करने वाले कॉलेजों की जांच की जाएगी। जांच में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलने के बाद मान्यता दी जाएगी। आमतौर पर आरोप लगता है कि जांच पर जाने वाली टीम लेनदेन करती है।

कॉलेज संचालकों ने हाईकोट का दरवाजा खटखटाया : कॉलेजों में संसाधन नहीं होने के बाद भी मान्यता मिल जाती है। वहीं, तमाम कॉलेजों में सभी व्यवस्थाएं होने के बाद भी मान्यता नहीं मिलती है। पिछले वर्ष सभी सुविधाएं होने के बाद भी कई कॉलेज मान्यता और सीट वृद्धि से बाहर हो गए थे। कुछ कॉलेज संचालकों ने हाईकोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था।

निरीक्षण के लिए जाने वाली टीम हमेशा विवादों में रहती है। इस विवाद को खत्म करने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नई रणनीति तैयार की है। तय किया है कि इस वर्ष स्थलीय निरीक्षण के दौरान सजीव प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव को इस संबंध में निर्देश जारी किया गया है।

निगरानी के लिए एजेंसी तय : सचिव को भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि बॉडी कैमरा रिकार्डिंग, लाइव स्ट्रीमिंग एवं स्थलीय निरीक्षण की निगरानी के लिए कार्यालय में सजीव प्रसारण की व्यवस्था संबंधी कार्य यूपी डेस्को को दिया गया है। इसी तरह एरिया मेजरमेंट और सिविल संबंधी कार्य के लिए एकेटीयू अथवा पीडब्ल्यूडी जैसी संस्थाओं के जरिए पैनल तैयार किया जाए।

दवाएं बेअसर होने पर पार्किंसंस पर प्रभावी है नई तकनीक

लखनऊ , एजेंसी। पार्किंसंस की बीमारी में दवाएं बेअसर होने पर नई तकनीक से नियंत्रण किया जा सकता है। डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) का इस्तेमाल करते हुए अब तक 10 मरीजों को राहत मिल चुकी है। गोमतीनगर के लोहिया पार्क में आयोजित पार्किंसंस जागरूकता वाकथॉन में पीजीआई में न्यूरोलॉजी विभाग की प्रो. रुचिका टंडन ने ये जानकारी दी। प्रो. रुचिका टंडन ने बताया कि न्यूरोलॉजिकल बीमारी पार्किंसंस दिमाग के उस हिस्से को प्रभावित करती है, जो शरीर की हरकतों को नियंत्रित करता है। इस बीमारी में दिमाग में डोपामिन नामक रसायन कम बनता है। इससे शरीर की गतिविधियां प्रभावित होती हैं। इस बीमारी की वजह से हाथ, पैर या शरीर में कंपन, चलने-फिरने में धीमापन, मांसपेशियों में जकड़न और संतुलन बनाने में कठिनाई शामिल है। अवसाद, चिंता, नींद की समस्या और कुछ मामलों में याददाश्त में कमी भी बीमारी के लक्षण हैं। डॉ. अमृता मोर और डॉ. प्रदीप गुप्ता ने बताया कि पार्किंसंस के मरीज शारीरिक ही नहीं, मानसिक तनाव का भी सामना करते हैं।

डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) : डीप ब्रेन स्टिमुलेशन एक सर्जिकल तकनीक है, जो उन पार्किंसंस मरीजों के लिए उपयोगी है ।

अपार्टमेंट के गेट पर खड़े डॉक्टर पर चढ़ा मिक्सर ट्रक का पहिया, मौत

लखनऊ , एजेंसी। आईआईएम रोड स्थित शालीमार अपार्टमेंट के गेट पर खड़े डॉ. जय प्रकाश गुप्ता (58) मिक्सर ट्रक की चपेट में आ गए और पहिये के नीचे आकर उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद भाग रहे आरोपी चालक को लोगों ने गाड़ी के साथ पकड़ लिया। पूरी घटना गेट पर लगे सीसीटीवी में भी कैद हो गई।

जय प्रकाश गुप्ता मूल रूप से आजमगढ़ के कोर्ट बाजार के रहने वाले थे। वह कानपुर स्थित केपीएम अस्पताल में डेंटल सर्जन थे। उनके बेटे देवांश के अनुसार, पिता हर शनिवार को कानपुर से घर आते थे और सोमवार को वापस चले जाते थे। शनिवार को भी वह कानपुर से लखनऊ पहुंचे और चारबाग से शालीमार अपार्टमेंट के लिए निकले।

उन्होंने बेटे को फोन भी किया था और अपार्टमेंट के गेट पर आकर उन्हें लेकर जाने के लिए कहा था। शाम करीब 6:15 बजे जय प्रकाश अपार्टमेंट के गेट के पास पहुंचे और गार्ड से बातचीत करने लगे। इस बीच अपार्टमेंट के अंदर से निकले तेज रफ्तार मिक्सर ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़े और ट्रक का पिछला पहिया उनके सीने से गुजर गया।

सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई पूरी घटना : हादसे के कुछ ही मिनट के बाद जय प्रकाश का बेटा देवांश पिता को बाइक से लेने के लिए अपार्टमेंट के गेट पर पहुंचा। गेट पर भीड़ लगी थी। पास में जाकर देखा तो पिता खून से लथपथ पड़े थे और उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद गार्ड ने शोर मचाते हुए मिक्सर ट्रक को दौड़ा लिया। गार्ड का शोर सुन आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह ट्रक को घेर लिया और चालक को पकड़ लिया। अतिरिक्त इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि देवांश की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ट्रक चालक बाराबंकी निवासी जीतू को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आयकर विभाग की अब आपके खर्चे पर नजर 70 अधिकारियों और कारोबारियों को मिला नोटिस

आगरा, एजेंसी। आयकर विभाग ने खर्च के पैटर्न पर नजर रखते हुए 70 लोगों को नोटिस भेजकर बैंक खातों में निकासी न होने पर जवाब मांगा है। विभाग को शक है कि ये लोग अघोषित नकदी से खर्च कर काली कमाई छिपा रहे हैं, जांच तेज कर दी गई है। अब तक कमाई पर नजर रखने वाला आयकर विभाग अब लोगों के खर्च के पैटर्न की निगरानी कर काली कमाई पकड़ने में जुट गया है। विभाग ने आगरा मंडल के करीब 70 अधिकारियों-कारोबारियों को नोटिस भेजकर उनके बैंक खातों में सिर्फ रकम आने और उससे न निकलने पर जवाब-तलब किया है। विभाग यह जानना चाह रहा है कि जब बैंक खातों से रकम निकल नहीं रही तो वह अपना दैनिक खर्च कैसे पूरा कर रहे हैं। विभाग को शक है कि इस काम में काली कमाई का उपयोग हो रहा है। दरअसल, आयकर विभाग ने भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। इसके जरिये लाखों बैंक खातों के लेनदेन की जानकारी को अधिकारी एक कमांड देकर खंगाल ले रहे हैं और जानकारी जुटा रहे हैं। कुछ समय पहले रैंडम सेलेक्शन के आधार पर सर्वर ने कुछ ऐसे पैनधारकों को चिह्नित किया जिनके बैंक खातों में नकद जमा तो हुआ लेकिन निकासी नहीं हुई। विभाग की थ्योरी है कि यदि कोई व्यक्ति जीवित है तो उसका भोजन, बिजली और आवागमन पर खर्च होना तय है। ऑनलाइन जमाने में अगर बैंक खाते से एक भी रुपया नहीं निकल रहा तो संभव है कि वह नकद और आयकर विभाग की नजर से बचाकर की जा रही आय से ही खर्च कर रहा है।

एक्सप्रेस-वे और हाईवे पर तेज रफ्तार अब पड़ेगी भारी स्पीड रडार गन की रहेगी नजर तुरंत कट जाएगा चालान

आगरा, एजेंसी। हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर ओवरस्पीडिंग रोकने के लिए पुलिस अब रडार गन से रोजाना चेकिंग करेगी। नियम तोड़ने वालों के चालान काटे जाएंगे और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

एक्सप्रेस-वे या नेशनल हाईवे पर हादसों की प्रमुख वजह अधिकतर वाहनों की तेज रफ्तार ही होती है, क्योंकि वाहन चालक निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करते। अब पुलिस ऐसे वाहन चालकों पर सख्ती करने जा रही है। इसके लिए रोजाना पुलिस स्पीड रडार गन से चेकिंग करेगी। वाहनों के चालान काटने के साथ ही चालकों को जागरूक भी किया जाएगा।

एसीपी यातायात इमरान अहमद ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में हर साल सैकड़ों लोगों की जान चली जाती है। हादसों का प्रमुख कारण तेज गति से वाहन चलाना सामने आता है। एक्सप्रेस-वे और हाईवे पर गति निर्धारण होने के बावजूद कई बार चालक पालन नहीं करते हैं। इनको रोकने के लिए यातायात पुलिस को छह स्पीड रडार गन उपलब्ध कराई गई हैं।

यमुना, लखनऊ एक्सप्रेस-वे और एनएच-19 पर ओवर स्पीडिंग रोकने के लिए रडार गन के साथ पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। एक्सप्रेस-वे पर हल्के और दो पहिया वाहनों के लिए निर्धारित गति 60 किमी प्रति घंटा, भारी वाहनों के लिए 80 और कार के लिए 100 किमी प्रति घंटा निर्धारित है।

एक्सप्रेस-वे और हाईवे के लिए चार दो पहिया वाहन और दो चार पहिया वाहनों पर स्पीड रडार गन उपलब्ध कराई गई है। इससे वाहन का फोटो खींचने के बाद चालान काटा जाएगा। मैसेज के माध्यम से चालान की जानकारी वाहन चालक के पास भी पहुंच जाएगी। रडार दूर से ही वाहन की सटीक गति को माप लेते हैं, जिससे नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों की पहचान करना और उन पर कार्रवाई करना आसान होगा।

सराफ व पत्नी से बदमाशों ने लूटे 5.30 लाख रुपये

लखनऊ , एजेंसी। माल-काकराबाद मार्ग पर जेहटा पुल के पास रविवार शाम लगभग 4:30 बजे सराफ सुभाष चंद्र मौर्य व उनकी पत्नी मिथलेश से कार सवार बदमाश बैग लूट ले गए। बैग में 5.30 लाख रुपये रखे थे। कारोबारी की तहरीर पर पुलिस ने लूट की रिपोर्ट दर्ज की है। साथ ही कार नंबर के आधार पर बदमाशों की तलाश में लगी है। काकोरी के कुसमौरा निवासी सुभाष चंद्र मौर्य के बेटे यश मौर्य के अनुसार पिता की काकोरी में सराफे की दुकान है। रविवार को पिता और मां पांच लाख रुपये लेकर चौक सराफा मार्केट से सामान लेने के लिए स्कूटी से निकले थे। दोनों ने माल के जेहटा में एक व्यक्ति से 30 हजार रुपये बकाये के लिए। मां ने सारे रुपये बैग में रखे थे। जेहटा से निकलकर कुछ दूर जाने के बाद पिता की स्कूटी की बैटरी खराब हो गई। वह सड़क किनारे रुक गए और उन्हें फोन कर कार लेकर बुलाया।

पता पूछने के बहाने उतरे थे कार सवार : यश के अनुसार, माता-पिता उनका इंतजार कर रहे थे। इस बीच कार सवार कुछ लोग वहां पहुंचे और पता पूछने के बहाने दंपती के पास गए। इसी दौरान बदमाश मां के हाथ से रुपये से भरा बैग लूटकर चंद्रिका देवी बाईपास की तरफ भाग गए। चर्चा है कि बदमाशों की कार में एक महिला भी सवार थी।

दंपती व बेटे ने बदमाशों का किया पीछा : बदमाशों के भागने के कुछ ही मिनट के बाद यश कार लेकर पिता के पास पहुंचे तो उन्होंने लूट की बात बताई।

'मरीजों की नहीं हो पाएगी एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी', फरीदाबाद के जिला अस्पताल में सेवाएं ठप

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल में अभी कुछ दिन और मरीजों की एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी नहीं हो पाएगी। हार्ट सेंटर में कैथ लैब की मशीन खराब होने के कारण यहां आपात स्थिति में हृदय रोगियों को सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। सिर्फ ओपीडी में ही सेवाएं मिलेंगी। ता दें कि गत दिवस जिला नागरिक अस्पताल में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप नीति के तहत नए सिरे से हार्ट सेंटर शुरू किया गया था। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सेंटर का उद्घाटन किया था। सेंटर में कैथ लैब स्थापित है। मगर अब कैथ लैब में तकनीकी खामी आ गई है। ऐसे में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी नहीं हो पाएगी। यह सेंटर फरवरी, 2018 में शुरू किया गया था। अनियमितताओं की शिकायत बाद लगभग साल पहले सेंटर बंद किया गया था।वहीं, बाद में विपुल गोयल के प्रयास से नए सिरे से सेंटर चालू किया गया। अभी सिर्फ ओपीडी में ही मरीजों को सेवाएं दी जा रही हैं। एचआर प्रमुख मनदीप ने बताया कि कैथ लैब मशीन को जल्दी ही ठीक करवाया जाएगा। इसके बाद यहां एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की जा सकेगी।

दिल्ली के करावल नगर में झगड़े में बीच बचाव करना महिला को पड़ा भारी, नुकीले हथियार से हमला

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट करावल नगर इलाके में पड़ोसियों के बीच हुए झगड़े में बीच बचाव करवाना एक महिला को भारी पड़ गया। आरोप है कि विवाद के दौरान बीच-बचाव कर रही 45 वर्षीय महिला पर आरोपित ने नुकीले हथियार से हमला कर दिया। घायल महिला को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गीता अपने परिवार के साथ गली नंबर-14, वेस्ट करावल नगर में रहती हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उनकी किराएदार ममता और पड़ोस में रहने वाली महिला आशा के बीच घर के बाहर पानी डालने को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। शोर सुनकर गीता वहां पहुंचीं और दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश करने लगीं। इसी दौरान गीता की बेटी योगिता ने झगड़े का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। वीडियो बनते देख आरोपी भड़क गए। आरोप है कि आशा का बेटा सूरज और उसके कुछ साथी मौके पर आ गए। उन्होंने पहले योगिता को वीडियो बनाने से रोका और फिर गीता के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान सूरज ने गीता के बाएं हाथ पर किसी नुकीली चीज से हमला कर दिया।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बदलेगा मौसम, मंगलवार को तेज हवा के साथ बारिश के आसार ; येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार को सुबह आसमान में बादल छाए थे, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही धूप खिल गई। पूरे दिन आसमान साफ रहा। इससे शनिवार की तुलना में तापमान में कुछ वृद्धि हुई है। वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के अनुसार मंगलवार को फिर से मौसम में बदलाव होगा। तेज हवा के साथ हल्की वर्षा होगी। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 1.3 डिग्री नीचे था। अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसम के औसत से 1.3 डिग्री कम था। शाम साढ़े पांच बजे सापेक्ष आर्द्रता 46 प्रतिशत रही।

कितना रहेगा अधिकतम तापमान : मौसम विभाग ने सोमवार के लिए आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 और 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली की हवा मध्यम श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 134 दर्ज किया गया, जो शनिवार के 137 से थोड़ा कम था। अगले सप्ताह भी एक्यूआई में बहुत अधिक परिवर्तन नहीं होने का पूर्वानुमान है।

दिल्ली के छतरपुर की मांडी रोड चौड़ीकरण योजना ठप, एक साल बाद भी एनएचएआई को ट्रांसफर अटका

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की ओर से छतरपुर स्थित मांडी रोड को चौड़ा करने का काम भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को सौंपने की योजना की घोषणा किए जाने एक वर्ष बाद भी एक इंच काम शुरू नहीं हो पाया। पीडब्ल्यूडी के मुताबिक 8.8 किलोमीटर लंबी यह सड़क महरौली को फरीदाबाद से जोड़ती है। यह पीक आवर्स में भीषण जाम की चपेट में रहती है। यह सड़क छतरपुर से गुरुग्राम के बीच आवाजाही करने वालों के लिए अहम है। अप्रैल 2025 में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने घोषणा की थी कि इस प्रोजेक्ट को एनएचएआइ को सौंपा जाएगा और इसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जाएगा। हालांकि, इस हस्तांतरण को आसान बनाने का प्रस्ताव अभी भी स्वीकृति का इंतजार कर रहा है। इससे जमीनी स्तर पर काम शुरू होने में देरी हो रही है। इसे लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री की ओर से कोई जवाब नहीं मिल पाया है। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों तक सामग्री की आवाजाही को आसान बनाने और राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ने में इसकी भूमिका को देखते हुए, इस प्रोजेक्ट का स्थानीय शहरी परिवहन से कहीं ज्यादा व्यापक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय महत्व है।

फरीदाबाद में विकास कार्यों में बांधा बनी भाजपा की गुटबाजी

फरीदाबाद, एजेंसी। दो दिन पहले फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण की बैठक में सीएम नायब सैनी ने दो अधिकारियों पर काम में लापरवाही बरतने को लेकर कार्रवाई की थी। अब नगर निगम के ऐसे ही लापरवाह कार्यकारी अभियंता की शिकायत मेयर ने सरकार को भेजी है।मेयर प्रवीण जोशी ने अपने पत्र में कहा कि बड़खल जोन में 34 से अधिक काम है।

जिनको तय तिथि के बाद भी शुरू नहीं किया गया। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा हैं। तय समय पर काम नहीं शुरू होने को लेकर कार्यकारी अभियंता से जवाब मांगा गया था। लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। मामले की जांच चीफ इंजीनियर विवेक गिल को दी गई है।जांच में कार्यकारी अभियंता दोषी पाए

मेयर ने सरकार से की कार्यकारी अभियंता की शिकायत

जाते हैं तो उन पर सरकार की ओर से कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार आपसी गुटबाजी की वजह से वर्क आर्डर जारी होने के बाद भी काम शुरू नहीं हो पाए हैं।

मेयर के अनुसार बड़खल विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग वार्ड में काम शुरू होने कराए जाने थे। जिसमें वार्ड-15 में विहार पार्क का नवीनीकरण, वार्ड-16 के इंटरलाकिंग टाइल्स लगाने का काम, नालियां निर्माण करने समेत 34 काम शामिल थे। लेकिन कार्यकारी अभियंता की ओर से वर्क आर्डर जारी होने के बाद एक काम भी शुरू नहीं किया गया। जबकि मेयर आफिस से संबंधित पार्षदों के कहने पर बार बार कार्यकारी अभियंता को विकास कार्य शुरू करने के लिए पत्र भी लिया गया।भाजपा की आपसी गुटबाजी की वजह से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जिन कामों को कार्यकारी अभियंता द्वारा शुरू नहीं किया गया है। उनमें से अधिकतर काम पार्षद मनोज नासवा के वार्ड-16 में होने हैं। बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनेश अदलखा केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के समर्थक है। जबकि वार्ड-16 के पार्षद मनोज नासवा मेयर और कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल के खेमे से आते हैं। ऐसे में नगर निगम अधिकारी भी पूरी तरह से असमंजस में रहते हैं। इससे पहले भाजपा की आपसी गुटबाजी के कारण सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव नहीं हो पाया है। इसके साथ ही अभी तक फाइनेंस कमेटी का गठन नहीं हो पाया है।

मेरे वार्ड में पांच करोड़ के काम शुरू नहीं हुए है। अधिकारी किस वजह से वर्क आर्डर जारी होने के बाद भी काम शुरू नहीं कर रहे हैं। इस मामले की जांच को लेकर मेयर और सरकार को पत्र लिखा गया है।वर्क ऑर्डर होने के बाद भी काम क्यों नहीं शुरू हो पाए। इसको लेकर कार्यकारी अभियंता से जवाब मांगा गया था। लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इसलिए सरकार को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया है।

एनडीएमसी ने तैयार किया ग्रीन कैलेंडर, हर रविवार होगा वृक्षारोपण अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने ग्रीन कैंलेडर तैयार किया है। जिसके तहत एनडीएमसी इलाके के आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन हर रविवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम करेंगे। समें पीएम मोदी की प्रेरणा से चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण किया जाएगा। सी के तहत रविवार को लक्ष्मी बाई नगर तिकोना पार्क, लक्ष्मीबाई नगर मार्केट आरब्ल्यूए के साथ मिलकर एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। स दौरान अशोक और आम के पेड़ों का वृक्षारोपण किया गया। इसमें स्थानीय नागरिकों की भी भागीदारी रही।

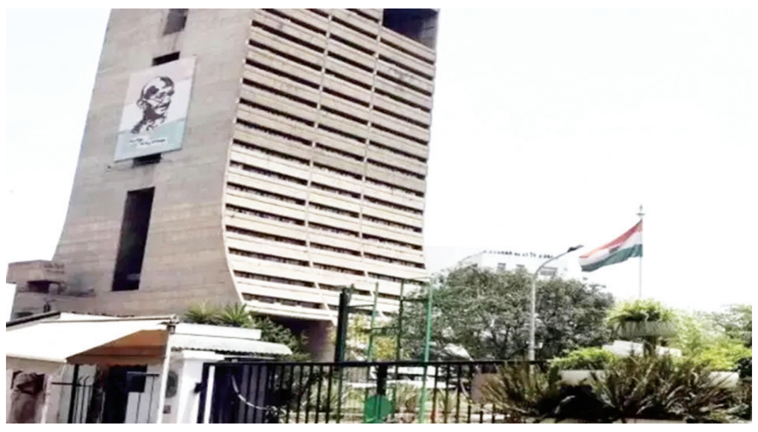

लोगों को कर रहे प्रेरित : इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चहल ने कहा कि पीएम मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ किया गया एक भावनात्मक एवं सामाजिक जन-अभियान है, जिसके माध्यम से लोगों को अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। न्होंने कहा कि यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति सम्मान, सामाजिक जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प भी है।

हर रविवार चलेगा वृक्षारोपण अभियान : चहल ने बताया कि एनडीएमसी ने वर्षभर के लिए एक ग्रीन कैलेंडेर तैयार किया है, जिसके अंतर्गत हर रविवार को एनडीएमसी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। स अभियान को सफल बनाने के लिए एनडीएमसी के उद्यान, हेल्थ और सिविल के साथ स्वच्छता विभाग समन्वित रूप से कार्य करेंगे। ताकि वैज्ञानिक तरीके से वृक्षारोपण, उनकी देखभाल और निगरानी सुनिश्चित की जा सके तथा लगाए गए पौधे आगे चलकर स्थायी हरित क्षेत्र का रूप ले सकें।

गुरुग्राम में पानी की समस्या का स्थायी समाधान, जीएमडीए बिछाएगा नई पाइपलाइन

नया गुरुग्राम, एजेंसी। गर्मियों की शुरुआत होते ही गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने पानी की बढ़ती समस्या को देखते हुए डीएलएफ फेज-2 और आसपास के इलाकों में नई पाइपलाइन बिछाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। सी क्रम में जीएमडीए के कार्यकारी अभियंता अभिनव वर्मा ने बताया कि भविष्य के लिए स्थायी समाधान को ध्यान में रखते हुए नई पाइपलाइन बिछाने की योजना तैयार की गई है, जिनके लिए निविदा (टेंडर) जल्द जारी किए जाएंगे। हली पाइपलाइन बसई से शुरू होकर पालम विहार, डूंडाहेड़ा और सूर्या विहार होते हुए साइबर हब और डीएलएफ फेज-2 तक पहुंचेगी। वहीं दूसरी पाइपलाइन सेक्टर-16 से सिरहौल होते हुए डीएलएफ फेज-2 तक जाएगी। ह एक बड़ी और महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसे वर्ष 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जीएमडीए का उद्देश्य है कि भविष्य में पानी की समस्या पूरी तरह समाप्त हो और इस वर्ष भी लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े।

'तुम्हारे अब्बू भी नहीं बचा पाएंगे', गाजियाबाद में धार्मिक स्थलों से उतरवाए लाउड स्पीकर

पार्षद को मिली धमकी

साहिबाबाद, एजेंसी। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र की छाबड़ा कॉलोनी में धार्मिक स्थल से लाउड स्पीकर उतरवाने पर कुछ समुदाय विशेष के लोगों ने पार्षद को जान से मारने की धमकी दी है। पार्षद को सोशल मीडिया के पर धमकी दी गई है। उन्होंने पांच नामजद समेत छह आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। र्षद रवि भाटी ने बताया कि छाबडा कालोनी स्थित एक मस्जिद पर काफी तेज आवाज में लाउड स्पीकर चल रहे थे।

मस्जिद के पास दो मंदिर हैं। लोगों ने तेज आवाज में चलते लाउड स्पीकर की वीडियो बनाकर उन्हें भेजी। साथ ही स्पीकर उतरवाने की मांग की। जिसके बाद उन्होंने पुलिस आयुक्त और थाने में बातचीत कर स्पीकर उतरवा दिए। रोप है कि स्पीकर उतरवाने के बाद आसिफ, आलम, इसरार, एक्स ऐस एक्स खान, अरमान मलिक और एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें सोशल मीडिया के एक्स एकाउंट पर उन्हें गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। आलम ने लिखा, 'तुम्हारे अब्बू की सरकार है। हम जब अपनी पर आएंगे तो तुम्हारे अब्बू भी नहीं बचा पाएंगे।' न्होंने आरोतिपों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद जल्द कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद के लोनी में कहासुनी के बाद युवक को मारी गोली,

लोनी, एजेंसी। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र संतोषी विहार कॉलोनी में रविवार देर रात आपसी कहासुनी के बाद गोली चलने से एक युवक के घायल होने का मामला प्रकाश में आया है। घायल युवक को दिल्ली जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका उपचार चल रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर जाकर घटना की जांच की। ड़ी चलाने का काम करने वाला आकाश (24) पुत्र बनवारी लाल संतोषी विहार डी ब्लॉक कालोनी में परिवार सहित रहता है। रविवार रात उसकी कुछ लड़कों से कहा सुनी हो गई। विवाद बढ़ने के बाद एक युवक ने आकाश पर गोली चला दी। ली उसके दाएं जांघ में लगने से

वह लहूलुहान होकर गिर गया। शोर सुन लोगों को एकत्रित होते देख आरोपित फायरिंग करते हुए फरार हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्वजन के साथ घायल को दिल्ली जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत स्थिर है। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा कारतूस व बाइक बरामद की है। सीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि आपसी कहासुनी के बाद आकाश को गोली लगने का मामला आया है। मामले में सिम्मी, प्रीत व शिवम का नाम प्रकाश में आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुरुग्राम में पीएनजी नेटवर्क का होगा विस्तार, एलपीजी गैस सिलिंडर की झंझट से मिलेगी मुक्ति

नया गुरुग्राम, एजेंसी। रसोई गैस को लेकर लंबे समय से झेल रहे संकट के बीच अब शहरवासियों के लिए बड़ी राहत की तैयारी है। एलपीजी सिलिंडर की किल्लत, ब्लैक मार्केटिंग और देरी से डिलीवरी जैसी समस्याओं से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क के तेजी से विस्तार को मंजूरी दे दी है। आने वाले महीनों में शहर के कई प्रमुख इलाकों में घर-घर पाइप के जरिए गैस पहुंचाने की दिशा में काम शुरू होगा। गर निगम के अनुसार अप्रैल 2026 में विभिन्न गैस कंपनियों को करीब 38 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाने के लिए लेटर आफ इंटेंट जारी किए गए हैं। मंजूरी मिलते ही चिन्हित क्षेत्रों में खुदाई और पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया जाएगा। योजना के तहत रिहायशी और तेजी से विकसित हो रहे सेक्टरों को प्राथमिकता दी गई है। द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड को हंस एन्क्लेव और सेक्टर-33 के पास करीब 10 किलोमीटर तथा बेगमपुर खटोला में

6 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने का कार्य सौंपा गया है। वहीं एचसीजी समूह को पालम विहार (सेक्टर-2) में 9200 मीटर, सेक्टर-15 पार्ट-1 में 2000 मीटर और सेक्टर 7, 9 व 4 के संयुक्त क्षेत्रों में 4000 मीटर पाइपलाइन डालने की जिम्मेदारी दी गई है। हर के दक्षिणी हिस्सों में भी नेटवर्क बढ़ाया जा रहा है। साउथ सिटी-2, लिलैक, सेक्टर-54 (सनसिटी), सेक्टर-52 मार्केट, सेक्टर-62 और सेक्टर-41 में करीब 5000 मीटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इससे पहले सेक्टर-44 और 38 में भी काम को मंजूरी दी जा चुकी है। पीएनजी व्यवस्था लागू होने के बाद लोगों को सिलेंडर बुकिंग और डिलीवरी की झंझट से छुटकारा मिलेगा। ह प्रणाली एलपीजी के मुकाबले किफायती और सुरक्षित मानी जाती है। गैस मीटर के जरिए उपयोग के अनुसार बिल आएगा, साथ ही रिसाव की स्थिति में खतरा भी कम रहेगा। नगर निगम के कार्यकारी अभियंता संदीप सिहाग का कहना है कि पीएनजी लाइन के लिए मिलने वाले आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर मंजूरी दी जा रही है, ताकि लोगों को जल्द राहत मिल सके।

कायस्थ सभा इस बार करेगी तीज का विशेष आयोजन

मेरठ , एजेंसी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा पश्चिम की आवश्यक बैठक प्रांतीय अध्यक्ष आनंद कुमार जौहरी के निवास कंकरखेड़ा में हुई। बैठक में सप्तम वैवाहिक कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उसके सफल आयोजन पर सभी का आभार व्यक्त किया गया। महिला संभाग की ओर से हरियाली तीज महोत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। सर्वसम्मति से पारित करते हुए 30 अगस्त 2026 को अपराह्न 3 बजे आईएमए एसोसिएशन हॉल बच्चा पार्क में आयोजन तय किया गया। महिला संभाग अध्यक्ष अचला भटनागर ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी से सहयोग की अपील की। बैठक की अध्यक्षता आनंद कुमार जौहरी ने की। इस दौरान रेखा जौहरी, राजेश सक्सेना, जीएन सक्सेना, शचीचंद मोहन भटनागर, जेएस कुदेसिया, सुरेश जौहरी, पवन, प्रमोद जौहरी, मनोज सक्सेना रहे।